कानपुर के सर्वधर्म सम्मेलन में सार्वभौम मानव धर्म का प्रतिपादन

सार्वभौम मानवीय व्यवस्था की स्थापना के उद्देष्य संचालित अभ्युदय संस्थान मानवीय षिक्षा के अध्ययन केन्द्र के रूप में स्थापित हो चुका है । रायपुर 25 किमी की दूरी पर कुम्हारी–अहिवारा रोड स्थित अभ्युदय संस्थान देष ही नही विदेष के अनेकानेक जिज्ञासुओं को अमरकंटक वासी श्री ए. नागराज द्वारा प्रतिपादित मध्यस्थ दर्षन के प्रकाष में सर्वतोमुखी समाधान का मार्ग प्रषस्त कर रहा है । इसी कड़ी में बहुराष्टीय आईटी कंपनी से त्यागपत्र देकर पूना निवासी श्रीराम नरसिम्हन और **हिंदुस्तान लीवर कंपनी** से त्यागपत्र देकर उनकी पत्नी श्रीमती गौरी ने अध्ययन–षोध का कार्य संस्थान में १.५ **वर्ष** रहकर किया ।

इसी कड़ी में कानपुर के करौली ग्राम में 23 अप्रैल को सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है| इसमें विभिन्न धर्मों के विषेषज्ञ तो एकत्रित होंगे ही लेकिन वे अपने–अपने धर्मों के नीति उपदेषों पर चर्चा कर इस बात को समझने का प्रयास करेंगे कि सार्वभौम मानवधर्म का अर्थ क्या है ? कानपुर के इस अद्भुत सर्वधर्म सम्मेलन में सर्वमानव को एक करने वाले सार्वभौम मानव धर्म एवं सार्वभौम मानवीय आचरण **का प्रतिपादन** होगा।

इस सम्मेलन की अवधारणा के पीछे मध्यस्थ दर्षन सह–अस्तितववाद के प्रणेता श्री ए.नागराज हैं जिन्होंने 25 वर्षों तक (1950 से 1975) गहन साधना कर **सम्पुर्ण अस्तित्व, वास्तविकता को "जैसे है, वैसे ही" समझा, अनुभव किया, मानव के प्रयोजन को समझा,** मानवीय सूत्रों का अनुभव किया, तथा स्थिर मानवीय आचरण की पहचान कर सार्वभौम मानव धर्म की व्याख्या प्रस्तुत की है जिसके आधार पर मानवीय आचरणसूत्र, मानवीय आचार संहिता, मानवीय संविधान तथा सार्वभौम व्यवस्था की सूत्र व्याख्या संभव हुई है। **इस दर्शन में मानव के सभी प्रश्नों का, सभी समस्याओं के समाधान का दावा हैं| डा अब्दुल कलाम, होमी भाभा, सी.वी. रमण, तिबत के प्रधान मंत्री श्री सामदोंग रिनपोचे जैसे विशेषग्य श्री नागराज जी से मिल चुके है| सम्मलेन मे स्वेच्छा पूर्वक आने वालों का स्वागत है| आगमन हेतु सम्मेलन वेब साईट** www.madhyasth.info **देखें, फोन संपर्क: 09907794154, 09403765359 | भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था की जायेगी|**